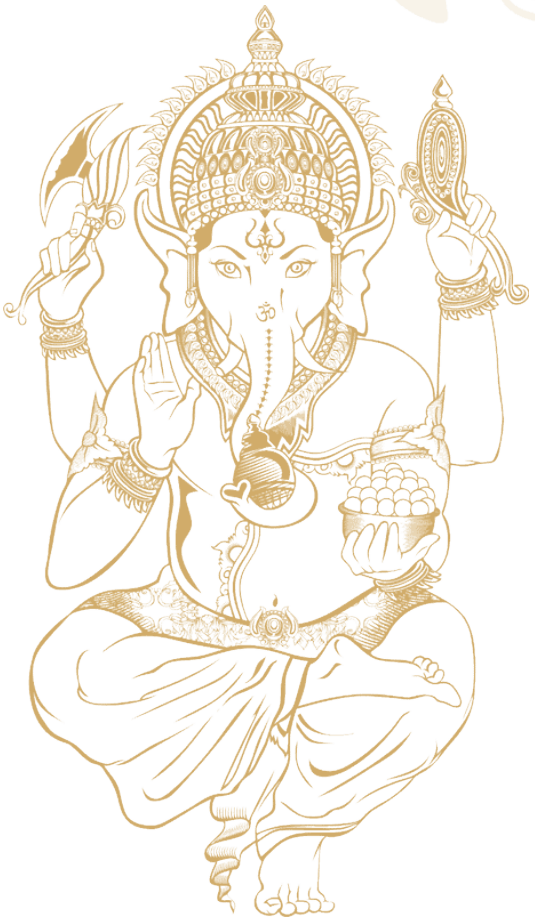

23 Feb 2026

03:52 PM

Chandigarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121368702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/02/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**15:52:00 घंटे**
इष्ट	22:19:23 घटी
स्थान	**Chandigarh**
देश	India

अक्षांश	30:43:00 उत्तर
रेखांश	76:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:29:08 घंटे
वेलान्तर	-00:13:22 घंटे
साम्पातिक काल	01:42:26 घंटे
सूर्योदय	06:56:14 घंटे
सूर्यास्त	18:16:39 घंटे
दिनमान	11:20:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:35:05 कुम्भ
लग्न के अंश	10:50:25 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	ऐन्द्र
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लो-लोकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	10:50:25	303:14:49	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	---
सूर्य			कुंभ	10:35:05	01:00:24	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	26:15:33	14:09:36	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	00:07:57	00:47:16	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			कुंभ	27:40:31	00:27:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:15:56	00:03:03	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	22:02:34	01:14:56	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	06:50:38	00:06:59	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु			कुंभ	14:45:22	00:00:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:45:22	00:00:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:24:02	00:01:01	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:37:21	00:02:05	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:09:16	00:01:42	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	03:21:40	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

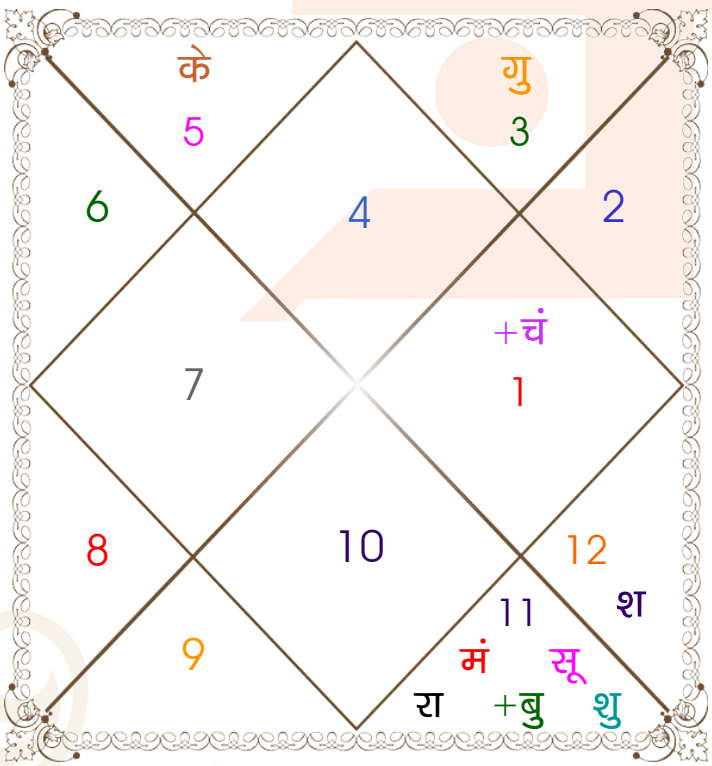

चन्द्र कुंडली

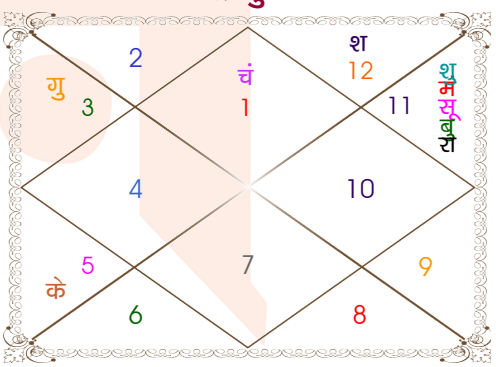

नवमांश कुंडली

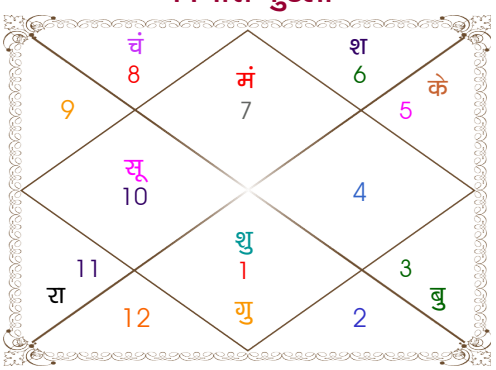

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 7 मास 10 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
23/02/2026		04/10/2026		04/10/2032		04/10/2042		04/10/2049	
04/10/2026		04/10/2032		04/10/2042		04/10/2049		05/10/2067	
	00/00/0000	सूर्य	22/01/2027	चंद्र	04/08/2033	मंगल	03/03/2043	राहु	16/06/2052
	00/00/0000	चंद्र	24/07/2027	मंगल	05/03/2034	राहु	20/03/2044	गुरु	10/11/2054
	00/00/0000	मंगल	28/11/2027	राहु	04/09/2035	गुरु	24/02/2045	शनि	16/09/2057
	00/00/0000	राहु	22/10/2028	गुरु	03/01/2037	शनि	05/04/2046	बुध	04/04/2060
	00/00/0000	गुरु	10/08/2029	शनि	04/08/2038	बुध	02/04/2047	केतु	23/04/2061
	00/00/0000	शनि	23/07/2030	बुध	04/01/2040	केतु	29/08/2047	शुक्र	23/04/2064
	00/00/0000	बुध	30/05/2031	केतु	04/08/2040	शुक्र	28/10/2048	सूर्य	17/03/2065
	23/02/2026	केतु	05/10/2031	शुक्र	05/04/2042	सूर्य	05/03/2049	चंद्र	16/09/2066
केतु	04/10/2026	शुक्र	04/10/2032	सूर्य	04/10/2042	चंद्र	04/10/2049	मंगल	05/10/2067

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/10/2067		05/10/2083		05/10/2102		06/10/2119		05/10/2126	
05/10/2083		05/10/2102		06/10/2119		05/10/2126		24/02/2146	
गुरु	22/11/2069	शनि	07/10/2086	बुध	03/03/2105	केतु	03/03/2120	शुक्र	04/02/2130
शनि	04/06/2072	बुध	17/06/2089	केतु	28/02/2106	शुक्र	03/05/2121	सूर्य	04/02/2131
बुध	10/09/2074	केतु	26/07/2090	शुक्र	29/12/2108	सूर्य	08/09/2121	चंद्र	05/10/2132
केतु	17/08/2075	शुक्र	25/09/2093	सूर्य	05/11/2109	चंद्र	09/04/2122	मंगल	05/12/2133
शुक्र	17/04/2078	सूर्य	07/09/2094	चंद्र	06/04/2111	मंगल	05/09/2122	राहु	05/12/2136
सूर्य	03/02/2079	चंद्र	07/04/2096	मंगल	02/04/2112	राहु	23/09/2123	गुरु	06/08/2139
चंद्र	04/06/2080	मंगल	17/05/2097	राहु	21/10/2114	गुरु	29/08/2124	शनि	05/10/2142
मंगल	11/05/2081	राहु	24/03/2100	गुरु	25/01/2117	शनि	08/10/2125	बुध	05/08/2145
राहु	05/10/2083	गुरु	05/10/2102	शनि	06/10/2119	बुध	05/10/2126	केतु	24/02/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 7 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ। उस क्षण मेदिनीय क्षतिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ तुला राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस लग्नादि प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन स्तर अति समृद्ध, धनयुक्त एवं सम्मानजनक होगा।

आप ईश्वर के प्रति समर्पित अर्थात् पूर्ण श्रद्धावान एवं आस्तिक विचार के होंगे। आप धर्म, अध्यात्म एवं दर्शनशास्त्र की शिक्षा ग्रहण करेंगे। आप अपने सम्पर्क के बहु संख्यक व्यक्तियों के मध्य प्रसिद्ध होंगे। क्योंकि आपकी अभिरूचि स्थायीरूप से धार्मिक है। आप धार्मिक स्थानों का परिभ्रमण एवं परिदर्शन करेंगे तथा अपना धन लोकहित में दान करेंगे।

वास्तव में आप धन संचय करना चाहते हैं। परन्तु आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ही ऐसा करेंगे। आप 6 वर्ष की आयु से वृद्धि कर आय (प्राप्त) ग्रहण कर सकते हैं।

आपके रूप का प्रमुख लक्षण आपकी सुन्दर आंखों द्वारा प्रकट होता है। आपके प्राधिकृत व्यक्ति जिन के साथ आप व्यवहार कर सकते हैं, वे आपकी आँखों से प्रभावित होकर आपको तथा आपके कार्यकलाप को पसन्द करते हैं।

यह सत्यापित है कि आपकी सम्मोहक आखें आपको प्यार सम्बंध की ओर प्रवृत कर सकता है। जिस झुकाव के कारण आपके परिवार की नैया अन्य धारा की ओर (झुक) प्रवाहित हो (मुड जा) सकती है। जिस वजह से आपके परिवारिक प्राणी यथा आपकी पत्नी एवं बच्चों के समक्ष परम संकट उपस्थित हो सकता है।

आपकी उतेजक मनोदशा, आपकी पत्नी के साथ अपराध उजागर कर सकता है। परिणाम स्वरूप निरन्तर आप लोगों का मतान्तर बढ़ता जाएगा-अस्तु उत्तम तो यह है कि आप इस प्रकार की प्रवृति का त्याग कर दें।

आप जलीय व्यवसाय को बहुत पसन्द करते है तथा जल संबंधी व्यापार का ही चयन करना उत्तम भी होगा। आपको अच्छी प्रकार जलीय व्यवसायों ही ग्रहण कर उत्तम पेशा से उन्नति प्राप्त करना ठीक होगा। जैसे सिचाई विभाग, कृषि कार्य, जहाजरानी से सम्बंधित कार्य, तटबंध एवं नहर आदि सिचाई विभाग के कार्य अनुकूल है।

आप प्रभावशाली अस्तित्व प्राप्ति हेतु राजनीति एवं सामान्य प्रशासनिक सेवा कार्य हेतु सतत प्रयासरत रह सकते हैं।

प्रायः आप ऐसे परिवर्त्तनशील विचार के प्राणी है कि आप अन्वेषण कर, अपनी दैनिक चर्चा परिवर्तित कर जीवन की चर्या को सुधार सकते हैं।

आप उपयुक्त समय पर किसी भी प्रकार की यात्रा का सुअवसर अवश्य प्राप्त करेगें क्योंकि आप विस्तृत परिमाण में अपने मित्रों की संख्या रखना चाहते हैं तथा उन्हें अपना शुभचिन्तक बनना चाहेंगे। ताकि वे पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग कर सकें।

आप में उच्च श्रेणी की व्यग्रता विद्यमान रहती है जो आपके चिड़-चिड़ेपन का द्योतक है। आपको अपने इस गम्भीर उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सतर्क रह कर शीघ्रतापूर्वक त्याग कर देना चाहते हैं। परन्तु आप शीघ्रतापूर्वक पुनः शान्ति एवं सामंजस्य नहीं करेंगे।

कर्क राशि विद्यमान के अनुसार हृदय एवं उदर सम्बंधी अपाचनिक क्रिया-कलाप के प्रति पूर्णरूपेन सर्तकता बरतें। आधुनिक भोजन सम्बंधी अति भोजन की प्रवृति को त्याग दें तथा अति मद्यपान की प्रवृति का त्याग करना भी आपके लिए सहायक होगा। आप सदैव ही दमा रोग, गलगण्ड रोग के संक्रमण, वायु विकार, अल्सर एवं कैंसर रोग के प्रति सर्तक रहें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

वास्तव में अंकों में अंक 4 एवं 6 अंक आपके लिए प्रभावशाली एवं अनुकूल है। परन्तु यह स्पष्ट है कि अंक 3 एवं 5 अंक आपके लिए त्याज्य है। आपके लिए अनुकूल रंग, सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए। आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग है। आपको ब्लू एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करना चाहिए।